LATE DARAN BAI TARAM GOVT. COLLAGE GURUR

District – Balod , Chhattisgarh

भ्रमण प्रतिवेदन

तीन दिवसीय शैक्षिणिक भ्रमण

सत्र– 2025–26

SUBMITTED BY:

VEDANSH KUMAR SAHU, LOMESH NISHAD, MUKESH KUMAR,

LOMESH KUMAR SINHA, TIRTH RAJ, ANURAG, ITESH RAWTE,

DUMESHWAR SAHU

Class – B.Sc. (Maths) Final Year

तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण

सत्र – 2025–26

भ्रमण की तारीख – दिनांक 12/11/2025 से 15/11/2025

❖ भ्रमण स्थल :– विशाखापत्तनम् (Vizag-The city of Destiny)

1. INS KURSURA SUBMARINE MUSEUM
2. TU 142 AIRCRAFT MUSEUM
3. SEA HARRIER MUSEUM
4. VICTORY WAR MUSEUM
5. TELGU CULTURE MUSEUM
6. KAILASHGIRI
7. TENNETI PARK
8. PENDURANGA SWAMI TEMPLE
9. INDRA GANDHI ZOO PARK
10. SIMHACHALAM (VARAH LAXMI NARSIMHASWAMI TEMPLE)

❖ सम्मिलित शिक्षकगण :–

1. Mr. L.R. HIRWANI SIR (A.P. PHYSICS)
2. Mr. D.K. RATRE SIR (A.P. MATHEMATICS)
3. Miss TEENA DEWANGAN MAM (Lect.)

❖ सम्मिलित छात्र–छात्राएँ–

BSC. 3rd YEAR (MATHS) – 22

❖ शैक्षणिक भ्रमण के उद्देश्य :–

- ❖ शैक्षणिक भ्रमण से छात्र–छात्राओं को विभिन्न सांस्कृतिक, पौराणिक, प्राकृतिक तथा नवीन तकनीकी में अग्रसर स्थलों की जानकारी प्राप्त करना।
- ❖ छात्र–छात्राओं में विभिन्न साहित्यिक एवं प्राकृतिक विषयों के प्रति रूचि विकसित करना।
- ❖ छात्र–छात्राओं में स्वयं अवलोकन तथा निरीक्षण करने की क्षमता का विकास करना।
- ❖ संस्कृति तथा प्रकृति की सुदरता का सूक्ष्म निरीक्षण करना।
- ❖ छात्रों में आत्मनिर्भरता, आपसी समन्वय, सामाजिक कौशल तथा मानसिक चेतना का विकास करना।
- ❖ छात्रों में तकनीकी कौशल तथा नवाचार की भावना विकसित करना।

❖ यात्रा का शुभारंभ :–

हमारी यात्रा की शुरूआत दिनाँक 12.11.25 को सायं 5:00 बजे हुई। यात्रा का शुभारंभ महाविद्यालय प्रागंण से सम्माननीय प्राचार्य महोदय श्री की मंगलकामनाओं तथा आवश्यक उपदेशों के साथ हुई।

इस यात्रा में हमारे साथ भौतिकशास्त्र के सम्माननीय हिरवानी सर, गणित के सम्माननीय रात्रे सर तथा डी.सी.ए विभाग से सम्माननीय टीना मैम सम्मिलित थे। हमारे अध्यापक हमें उचित दिशानिर्देश दे रहे थे। वे सदैव विद्यार्थियों को उचित जानकारी तथा सुझाव प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहते है तथा सदैव आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करते है।

रायपुर रेल्वे स्टेशन की तस्वीर

हमारी यात्रा बहुत मनोरंजन पूर्ण तथा शिक्षाप्रद रही। हम दिनाँक 12.11.20 रात्रि 7:30 बजे हम बस से ट्रेन स्टेशन पर पहुँचे। समस्त विद्यार्थी तथा शिक्षकगण ट्रेन पर चढ़े तथा अपनी सीटे सुनिश्चित की।

तत्पश्चात् हमारी ट्रेन रवाना हुई। रात्रि यात्रा के कारण सभी विद्यार्थी भोजन अपने साथ लेकर गए थे, हमने ट्रेन में टीफीन किया तथा आपस में बातचीत व मस्ती करते हुए अगली सुबह 7:00 बजे विशाखापत्तनम रेल्वे स्टेशन पहुँचे। रेल्वे स्टेशन से आगे हमारे गंतव्य पर पहुँचने के लिए हमने टैक्सी बुक की। इस प्रकार हम अपने गंतव्य आर.के. बीच तक पहुँचे।

विशाखापत्तनम् रेल्वे स्टेशन

कुछ समय आराम करके तथा अपने नित्य कार्यों से निवृत्त होकर सुबह होटल में ही नाश्ता किये तथा हमारी प्रथम दिवस के भ्रमण के लिए रवाना हुए।

प्रथम दिवस :–

प्रथम दिवस हमारी यात्रा के प्रमुख स्थल निम्न थे – सबमरीन म्युजियम, सी हैरियर म्युजियम, T U 142 एसरक्राफ्ट म्युजियम, R K BEACH आदि स्थल प्रमुख थे।

सभी म्युजियम अत्यंत रोचक तथा तकनीकि मशीनों से सज्जित थे। नवीन तकनीकों तथा हमारी सुरक्षा प्रणाली की अद्‌भुत वैज्ञानिक, तकनीकी प्रणालियाँ तथा नई–नई रोचक चीजे हमें सीखने को मिली।

प्रथम दिवस के भ्रमण के समस्त स्थानों का विस्तारपूर्वक वर्णन निम्न रहा –

1. SEA HARRIER MUSEUM -

विशाखापत्तनम का सी हैरियर संग्रहालय भारतीय नौसेना के गौरवशाली नौसैनिक उड्डयन इतिहास को समर्पित है। यह संग्रहालय रामकृष्ण मिशन बीच (RK Beach) रोड पर स्थित है और देश के उन स्थानों में से एक है जहाँ एक सेवानिवृत्त लड़ाकू विमान को जमीन पर लाकर जनता के लिए प्रदर्शित किया गया है। इसका मुख्य आकर्षण एक ब्रिटिश डिज़ाइन वाला जेट विमान है। जिसने दशकों तक भारतीय नौसेना के विमानवाहक (Aircraft Carrier) **INS विराट** से उड़ानें भरी थीं।

मुख्य उद्देश्य और महत्व –

- **शैक्षणिक मूल्य:** यह संग्रहालय भारतीय नौसेना की हवाई क्षमताओं और प्रौद्योगिकी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए स्थापित किया गया है। यह छात्रों और युवाओं को इंजीनियरिंग, एयरोस्पेस विज्ञान और देश की रक्षा में नौसेना की भूमिका के बारे में जानने का अवसर देता है।

- **सैन्य विरासत का संरक्षण:** यह लड़ाकू विमान भारतीय नौसेना के इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है, खासकर 1980 के दशक से 2017 तक। इसे संरक्षित करके संग्रहालय आने वाली पीढ़ियों के लिए सैन्य विरासत को जीवंत रखा गया है।

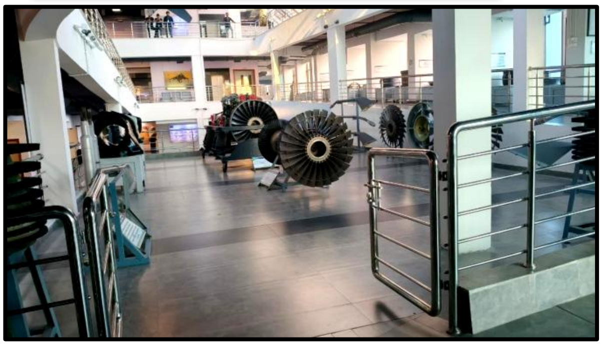

- **पर्यटन आकर्षण:** TU-142 विमान संग्रहालय विशाखापत्तनम को भारत के प्रमुख नौसैनिक संग्रहालय केंद्र के रूप में स्थापित करता है।

यह विमान अपनी V/STOL **(Vertical/Short Takeoff and Landing)** क्षमता के लिए प्रसिद्ध था। इस विमान को एक ऊंचे प्लेटफॉर्म पर स्थापित किया गया है, जिससे हम इसे चारों ओर से देख सकते हैं और इसकी अनूठी बनावट और प्रणाली को समझ सकते हैं।

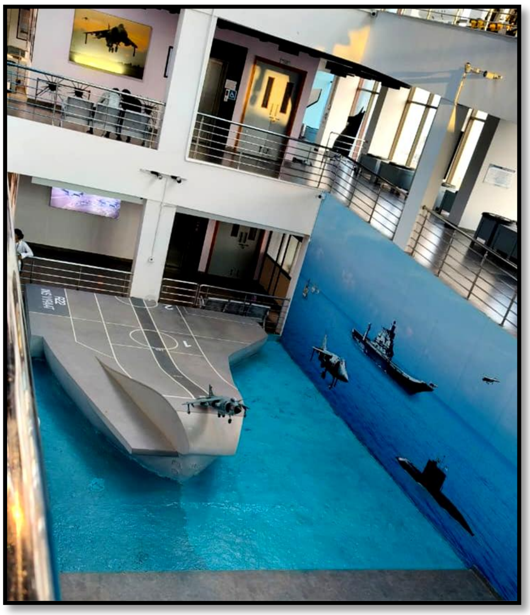

संग्रहालय के आंतरिक हॉल में नौसेना उड्डयन से संबंधित विस्तृत प्रदर्शनियाँ और डिस्प्ले बोर्ड हैं। इनमें पायलटों के उपकरण, विमान के इंजन के घटक, और Sea Harrier द्वारा भाग लिए गए महत्वपूर्ण मिशनों की जानकारी शामिल है। आधुनिक डिस्प्ले के माध्यम से विमान के संचालन और भारतीय नौसेना के इतिहास पर वीडियो दिखाए जाते हैं।

शैक्षणिक ज्ञान –

सी हैरियर संग्रहालय हमे एक मनोरंजक और ज्ञानवर्धक अनुभव प्रदान करता है। यह हमे भारतीय नौसेना के उन बहादुर पायलटों के जीवन की एक झलक देता है जिन्होंने देश की समुद्री सीमाओं की रक्षा की। यह हमें विमानन और रक्षा सेवाओं में करियर बनाने के लिए प्रेरित करने का एक शक्तिशाली स्रोत है।

सी हैरियर संग्रहालय विशाखापत्तनम की समुद्री और सैन्य पहचान को मजबूत करता है। यह एक उच्च-तकनीकी और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण विमान को सफलतापूर्वक संरक्षित करने का एक शानदार उदाहरण है ,जो देश की रक्षा क्षमताओं और नवाचार को प्रदर्शित करता है।

2. INS KURSURA SUBMARINE MUSEUM -

INS **कुरुसुरा (Kurusura)** पनडुब्बी संग्रहालय, विशाखापत्तनम (Vizag) का एक बहुत ही आकर्षक पर्यटक स्थल है।

यह एशिया का पहला ऐसा संग्रहालय है जो एक वास्तविक पनडुब्बी है।

यह पनडुब्बी विशाखापत्तनम के प्रसिद्ध **रामकृष्ण मिशन बीच (RK Beach)** पर स्थित है, जो इसे समुद्र के शानदार दृश्य के साथ एक आकर्षक स्थान बनाता है।

❖ INS कुरुसुरा पनडुब्बी संग्रहालय की मुख्य विशेषताएँ–

- **वास्तविक पनडुब्बी:** यह भारत और एशिया का पहला पनडुब्बी संग्रहालय है , जिसे एक वास्तविक पनडुब्बी, **INS कुरुसुरा (S20),** को संग्रहालय में बदलकर बनाया गया है। यह पनडुब्बी सोवियत निर्मित 'Kilo-class' या 'Foxtrot class' (नाटो द्वारा नामित) से संबंधित थी।

INS Kursura Submarine museum

- **नौसेना का इतिहास:** यह पनडुब्बी 1969 से 2001 तक भारतीय नौसेना में **31 वर्षों** तक सेवा में रही जो नौसेना के गौरवशाली इतिहास और उसके तकनीकी कौशल को दर्शाती है।

- **पनडुब्बी का आंतरिक भाग:** यह आगंतुकों को एक वास्तविक पनडुब्बी के संकुचित और जटिल आंतरिक हिस्सों को करीब से देखने का दुर्लभ अवसर प्रदान करता है , जिसमें निम्न आंतरिक अंग शामिल हैं:

नियंत्रण कक्ष (Control Room): पनडुब्बी के संचालन और गहराई को नियंत्रित करने का केंद्र।

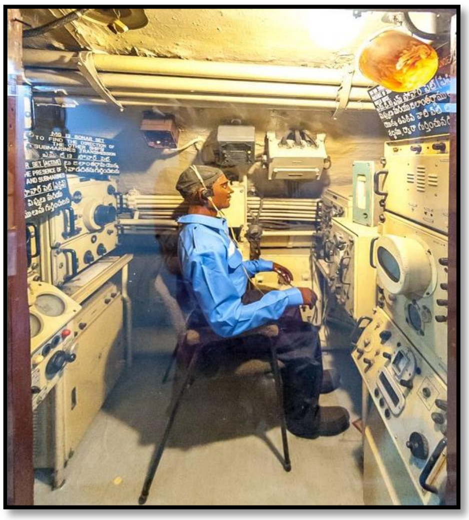

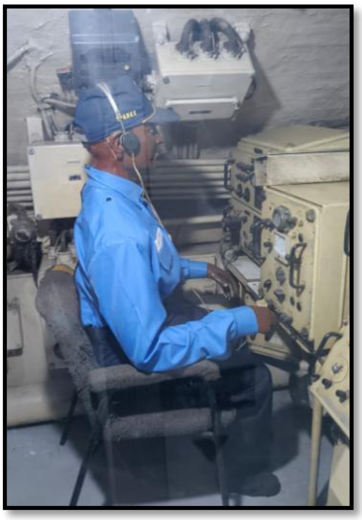

इंजन कक्ष (Engine Room): पनडुब्बी के शक्तिशाली इंजन रखने का स्थान।

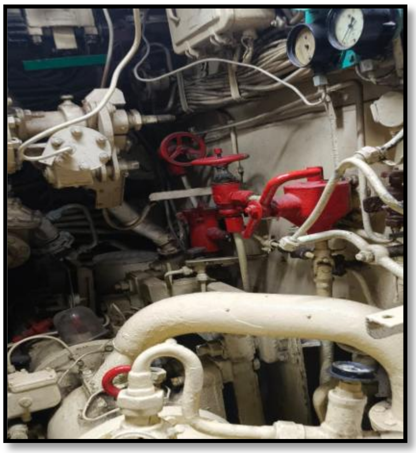

टॉरपीडो कक्ष (Torpedo Room): जहाँ पनडुब्बी के हथियार रखे जाते थे।

सोने/रहने के क्वार्टर: नौसैनिकों के छोटे से रहने ,खाने तथा अन्य दिनचर्या की जगहें।

शैक्षणिक ज्ञान तथा तथ्य –

यह संग्रहालय युवा पीढ़ी के लिए नौसेना और देश की रक्षा में उसके योगदान के बारे में जानने और भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल होने की प्रेरणा लेने का एक बेहतरीन माध्यम है।

- **नाम का अर्थ:** 'कुरुसुरा' नाम संस्कृत के शब्द 'कुरु' और 'सुरा' से आया है जिसका अर्थ अक्सर 'शक्तिशाली योद्धा' या 'देवताओं का योद्धा' होता है, जो इसकी निडर सेवा को दर्शाता है।
- हमे **आर्किमिडीज सिद्धांत** और पानी के नीचे गहरे जाने पर दाब (pressure) में होने वाले परिवर्तनों को समझने का व्यावहारिक ज्ञान मिलता है।
- पनडुब्बी के डिजाइन और जटिल इंजीनियरिंग प्रणालियो के बारे में जानकारी मिलती है। नौसैनिक अत्यधिक सीमित और बंद जगह में महीनों तक कैसे रहते हैं, जहाँ उन्हें सूरज की रोशनी भी नहीं मिलती। यह अनुशासन और टीमवर्क का महत्व सिखाता है।

❖ **समुद्री सुरक्षा और हथियार:** हमे भारत की समुद्री सुरक्षा रणनीति और पनडुब्बी में उपयोग किए जाने वाले **टॉरपीडो** , **सोनार** (Sonar) और **पेरिस्कोप** (Periscope) जैसी हथियार प्रणालियों के कामकाज की बुनियादी समझ मिलती है।

◆ ◆ ◆

3. TU I42 AIRCRAFT MUSEUM –

टीयू–142 एयरक्राफ्ट म्यूज़ियम विशाखापत्तनम के **आरके बीच रोड** पर स्थित एक अनूठा पर्यटन स्थल है। यह एक डीकमीशन **(सेवामुक्त)** किए गए **टीयू–142एम लॉन्ग रेंज मैरीटाइम रिकॉनिसेंस एंटी–सबमरीन वारफेयर** (लंबी दूरी की समुद्री निगरानी पनडुब्बी रोधी युद्ध) विमान को एक सार्वजनिक संग्रहालय में बदलकर बनाया गया है।

इसका पूरा नाम **टुपोलेव टीयू–142एम (Tupolev Tu-142M)** है। इसका उद्‌घाटन **दिसंबर 2017** में पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद द्वारा किया गया था।

यह भारत में अपनी तरह का पहला ऐसा संग्रहालय है जो एक विशाल सैन्य विमान के अंदर से देखने का अनुभव प्रदान करता है।

इतिहास और महत्व

- **भारतीय नौसेना में सेवा:** इस टीयू-142 विमान ने **29 वर्षों** तक भारतीय नौसेना में अपनी सेवा दी। इसे **'अल्बाट्रॉस'** उपनाम से भी जाना जाता था।
- **सेवामुक्ति:** 29 मार्च 2017 को आईएनएस राजाली, अराक्कोनम में 30,000 घंटे की दुर्घटना-मुक्त उड़ान भरने के बाद इसे सेवामुक्त कर दिया गया था।

आंध्र प्रदेश सरकार ने इस प्रतिष्ठित विमान की विरासत को संरक्षित करने का निर्णय लिया और इसे एक संग्रहालय में बदल दिया, ताकि आम जनता नौसेना उड्डयन और देश की समुद्री सुरक्षा में इसके योगदान को समझ सके।

मुख्य आकर्षण और अनुभव

म्यूज़ियम में आने वाले आगंतुकों को एक शैक्षिक और प्रेरक अनुभव मिलता है। एक गाइड द्वारा विभिन्न हिस्सों की जानकारी दी जाती है।

विमान के बाहर एक प्रदर्शनी हॉल है जहाँ नौसेना विमान और विमान से संबंधित विभिन्न उपकरण और पुर्जे प्रदर्शित किए गए हैं।

जैसे –

इंजन, मिसाइले तथा विभिन्न हथियार, Survival Kits आदि। इसके साथ ही साथ सैनिक युक्तियां, उनके लड़ने के तरीके, सैनिकों के पोशाक, तथा कुछ विख्यात सैनिकों की प्रदर्षनी तथा उनके द्वारा प्राप्त ख्यातियों की तस्वीरे तथा उनकी जानकारी आदि सभी देखने को मिलती है।

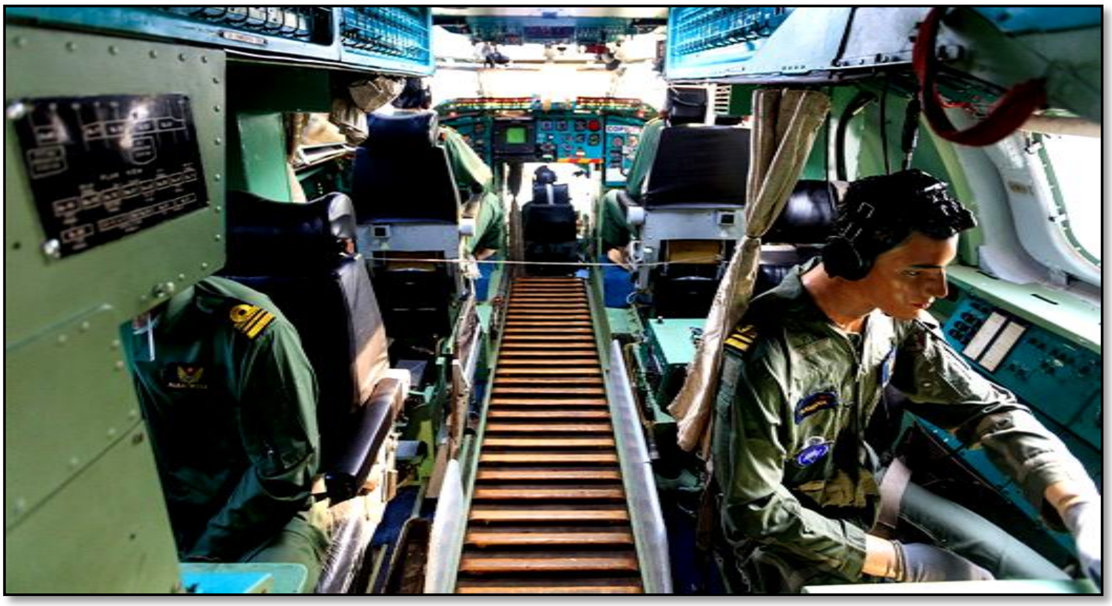

संग्रहालय में कई सूचनात्मक डिस्प्ले, वीडियो और ऑडियो-विजुअल एड्स (Audio-Visual Aids) हैं जो विमान के इतिहास, नौसेना में इसकी भूमिका और इस्तेमाल की गई तकनीक के बारे में विस्तृत जानकारी देते हैं।

शैक्षणिक ज्ञान –

टीयू-142 एयरक्राफ्ट म्यूज़ियम **विशाखापत्तनम के गौरव** के रूप में जाना जाता है और यह रक्षा और विमानन के प्रति उत्साही लोगों, छात्रों के लिए एक **अविस्मरणीय अनुभव** है। यह न केवल भारतीय नौसेना की क्षमताओं को प्रदर्शित करता है, बल्कि देश की सेवा करने वाले बहादुर कर्मियों के जीवन और प्रौद्योगिकी के बारे में भी जानकारी प्रदान करता है।

यह एक उच्च-तकनीकी और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण विमान को सफलतापूर्वक संरक्षित करने का एक शानदार उदाहरण है ,जो देश की रक्षा क्षमताओं और नवाचार को प्रदर्शित करता है।

हम सभी अपने भ्रमण के दौरान **आर. के. बीच** के ही किनारे एक होटल में रूके थे। इन सभी स्थानों के साथ–साथ हमने तीन दिवस के भ्रमण में तीनों दिन आर. के. बीच का आनंद लिया। इसके बारे में कुछ बाते निम्न है–

R.K. BEACH -

विशाखापट्टनम (Vizag) का ''रामकृष्ण बीच'', जिसे आम तौर पर ''RK Beach'' के नाम से जाना जाता है, शहर का एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित यह बीच अपनी प्राकतिक सुंदरता और सांस्कृतिक महत्व के लिए जाना जाता है।

यहां के **मुख्य आकर्षण केन्द्र** INS कुरसुरा पनडुब्बी संग्राहलय , TU 142 विमान संग्रहालय , सी हैरियर संग्रहालय आदि सभी इसी के किनारे स्थित है।

सुबह तथा शाम में यहां का नजारा बहुत ही आकर्षक होता है। सभी शाम को बीच के किनारे टहलने के लिए आते है। बीच के आस पास स्ट्रीट फूड तथा अन्य कई दुकाने भी स्थित है।

प्रथम दिवस की सभी स्थानों के भ्रमण के पश्चात् रात्री में विश्राम गृह में आकर भोजन पश्चात् शयन किया। द्वितीय दिवस प्रातः समुद्र में स्नान करके तथा सभी कार्यो से निवृत्त होकर एवं भोजन ग्रहण करके दूसरे दिवस के भ्रमण के लिए निकल पड़े।

द्वितीय दिवस के भ्रमण के प्रमुख स्थान निम्नलिखित थे– कैलाशगिरी, टेनिटी पार्क, तेलुगू संग्राहालय, पेन्डुरंगा स्वामी मंदिर।

1. कैलाशगिरी –

कैलाशगिरि विशाखापट्टनम का सबसे लोकप्रिय और सुंदर हिल टॉप पार्क है। यह समुद्र तल से लगभग 360 फिट की उंचाई पर स्थित है, जहाँ से पूरे शहर और बंगाल की खाड़ी का अद्‌भुत नज़ारा दिखाई देता है। इसके उपर बहुत से मनोरम दृश्य देखने को मिलते है तथा प्रकृति का अद्‌भुत नजारा पर दिखाई पड़ता है।

RK Beach से ऑटो कराकर हम कैलाशगिरी पहुंचे। उपर जाने के लिए हमें बहुत सी सीढ़िया तथा एक लम्बा मार्ग तय करना पड़ा। उपर जाने के लिए जीप लाइन भी लगे थे। कुछ समय पश्चात् हम कैलाशगिरी के मुख्य द्वार पर पहुँचे।

कैलाशगिरी का मुख्य द्वार

❖ मुख्य आर्कषण –

शिव–पार्वती की मूर्तिः यहाँ की सबसे बड़ी पहचान भगवान शिव और माता पार्वती की 40 फिट उंची मूर्ति है, जो बहुत ही आकर्षक है। यह मूति सफेद रंग से आच्छादित की गई है जो चारो ओर से गार्डन व जल के सुंदर फव्वारो से सुसज्जित है।

मान्यताएँ –

यह मूर्ति समुद्र की ओर मुख किए हुए हुए है जहाँ से समुद्र का विशाल किनारा तथा संपूर्ण शहर दिखाई देता है। यहां के लोग ऐसा मानते है कि भगवान शिव स्वयं उनको देखते है तथा उनकी व इस क्षेत्र की रक्षा करते है।

❖ विशेषताएँ–

यह मूर्ति सफेद रंग से रंगी हुई है। चारों ओर सुंदर पार्क तथा प्रकृति का मनमोहक दृश्य दिखाई पड़ता है। यहां से समुद्र का किनारा तथा पूरे शहर का नजारा एक अद्भुत अहसास दिलाता है, **शिव–पार्वती प्रतिमा।**

2.Telugu Cultural Museum –

कैलाशगिरि की पहाड़ी पर स्थित ''तेलुगू सांस्कतिक संग्रहालय'' आंध्र प्रदेश की समद्धि और उसके शानदार इतिहास का एक अनोखा संग्रह है। यह संग्रहालय तेलुगू भाषा और कला को समर्पित है। यह पर्यटकों को तेलूगू भाषा, साहित्य, कला और इतिहास का परिचय कराता है।

मुख्य आकर्षण तथा विशेषताएँ –

संग्रहालय के अंदर लगभग 40 बड़े पैनल तथा मूर्तियाँ है, जो तेलूगू इतिहास के विभिन्न चरणों को दर्शाती है:

- **ऐतिहासिक गौरव :** यहां सातवाहन वंश, चालुक्य वंश, काकतिया वंश, विजयनगर साम्राज्य तथा अन्य महान राजवंशो की उत्थान तथा उपलब्धियों का सुंदर प्रदर्शन है।

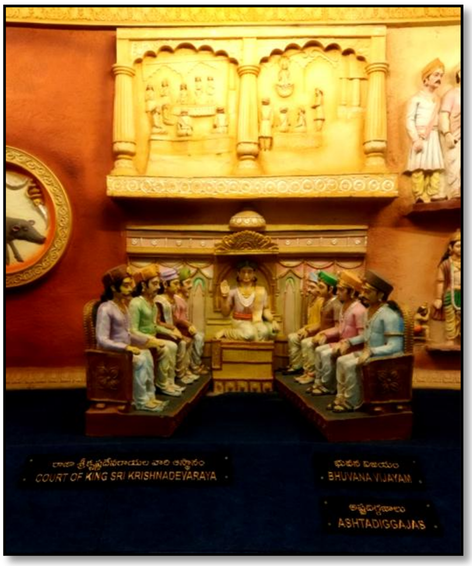

राजा कृष्णदेवराय का दरबार

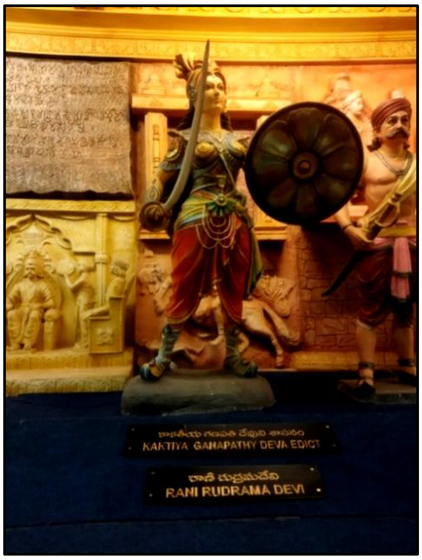

काकतिया वंश की रानी रूद्रमादेवी

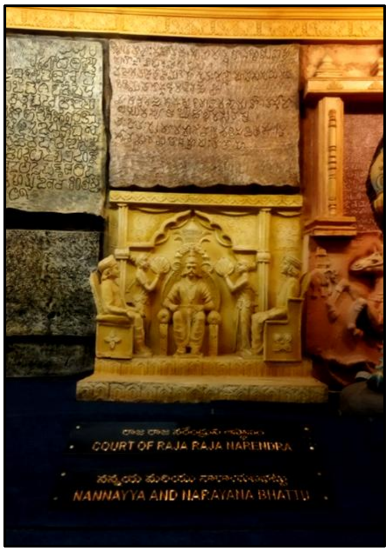

राज राज नरसिंह का दरबार

❖ **सांस्कृतिक विभूतियाँ :** तेलुगू भाषा के महान कवियों (जैसे नन्नैया, टिक्कना), स्वतंत्रता सेनानियों (जैसे अल्लूरी सीताराम राजू) और समाज सुधारकों के जीवन को चित्रों और मूर्तियों के माध्यम से दिखाया गया है।

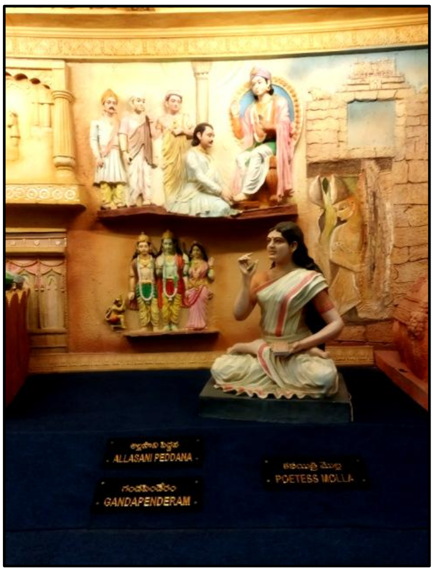

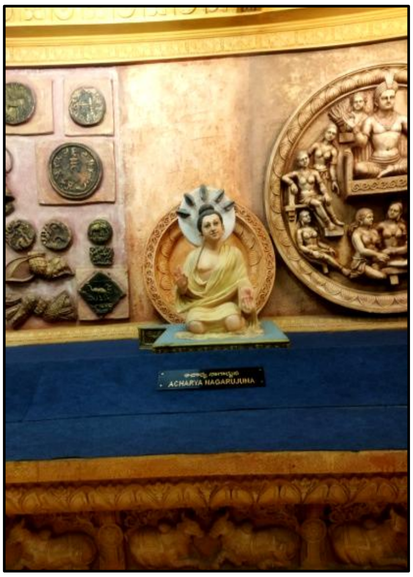

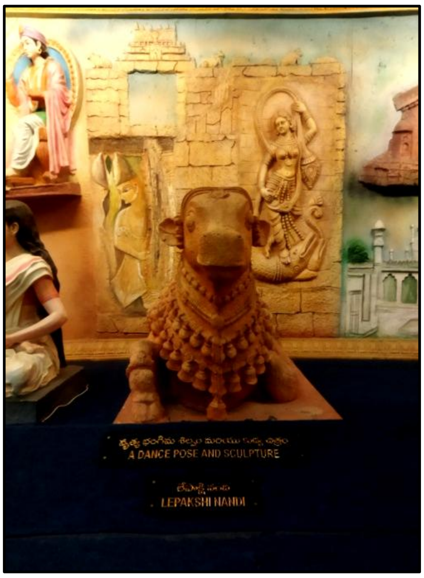

❖ **कला, सिक्के तथा शिलालेख :** आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध नृत्य ''कुचिपुड़ी'' और स्थानीय लोक कलाओं के बारे में विस्तत जानकारी दी गई है। साथ ही यहां की लिपियां तथा सिक्को की भी जानकारी दी गई है।

प्राचीन तेलूगू शिलालेख तथा सातवाहन व अन्य वंशों द्वारा चलाए गए सिक्के

❖ **धार्मिक विरासत:** तिरुपति बालाजी, हजार खंभा मंदिर तथा अन्य मंदिरों की प्रतिकृतियाँ और उनके महत्व को भी यहाँ स्थान दिया गया है।

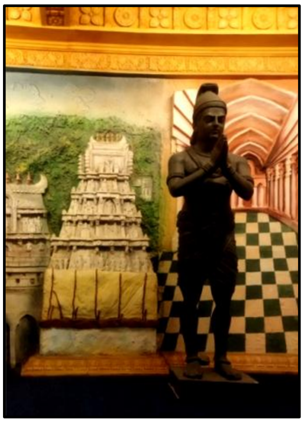

तिरूपति बालाजी मंदिर

पेनुकोण्डा जैन मंदिर

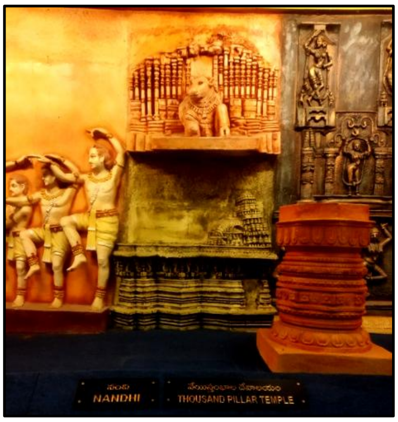

हजारखंभा मंदिर

गुंटुर जैन मंदिर

इसके साथ ही यहाँ भगवान बुद्ध के जीवन के विभिन्न चरणों को मूर्तियों तथा अन्य वास्तुकलाओं के द्वारा बड़ी सुंदरता से प्रदर्शित किया गया है।

भगवान बुद्ध की ज्ञान प्राप्ति

भगवान बुद्ध का गृह त्याग

❖ शैक्षणिक ज्ञान –

यह संग्राहलय हमें तेलूगू साहित्य का विस्तारपूर्वक वर्णन देता है। यहाँ से हमें प्राचीन तेलूगू साहित्य, कला तथा संस्कृति का ज्ञान प्राप्त हुआ। यह एक बड़ा ही अनूठा अनुभव रहा।

3. Tenneti Park –

Tenniti park विशाखापत्तनम् का एक बहुत सुंदर स्थान है। यह बंगाल की खाड़ी में समुद्र किनारे स्थित एक पार्क है, जहाँ से विशाल समुद्र का नजारा दिखाई पड़ता है। यह Vizag का सबसे पुराना पार्क है। तथा इसका नाम **तेन्निटी विश्वनाथन** के नाम पर रखा गया है, जिन्होने महात्मा गांधी के साथ नमक सत्याग्रह तथा भारत छोड़ों आंदोलन में भी साथ दिया था।

टेनिटी पार्क से समुद्र का दृश्य

टेनिटी पार्क का मुख्य द्वार

इस पार्क की मुख्य विशेषताएं तथा आकर्षण बिन्दु निम्न है :

- **समुद्र का दृश्य :** यह पार्क समुद्र किनारे से थोड़ी उँचाई पर स्थित है, जहाँ से नीला समुद्र तथा उसकी लहरों का नजारा दिखता है। शाम के समय में सूर्यास्त का दृश्य यहां से मनोरम प्रतीत होता है।
- **एम.वी. माँ (MV Mं) शिपः** यह एक विशाल बांग्लादेशी मालवाहक जहाज है जो 2020 में एक चक्रवात के दौरान किनारे पर आकर फंस गया था, किनारा पथरीला होने के कारण इसको निकालने में अत्यधिक खर्च आ रहा था, जिस कारण इसे यही पर रख लिया गया। अब यह जहाज इस पार्क का सबसे बड़ा आकर्षण बन गया है। पर्यटक इसे देखने और फोटो खिंचवाने के लिए भारी संख्या में आते हैं।

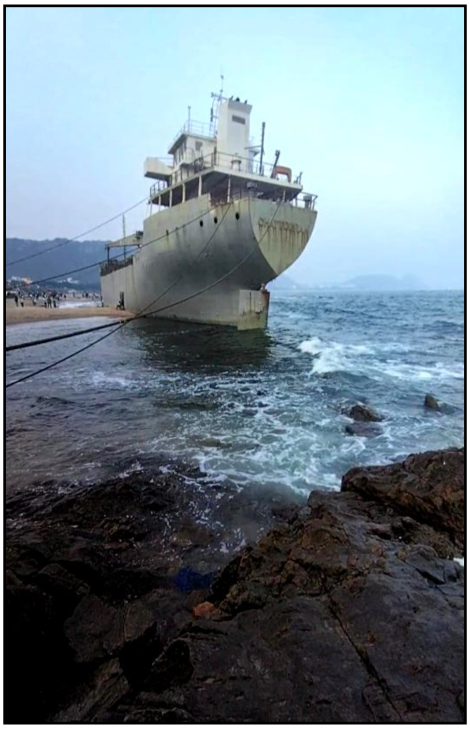

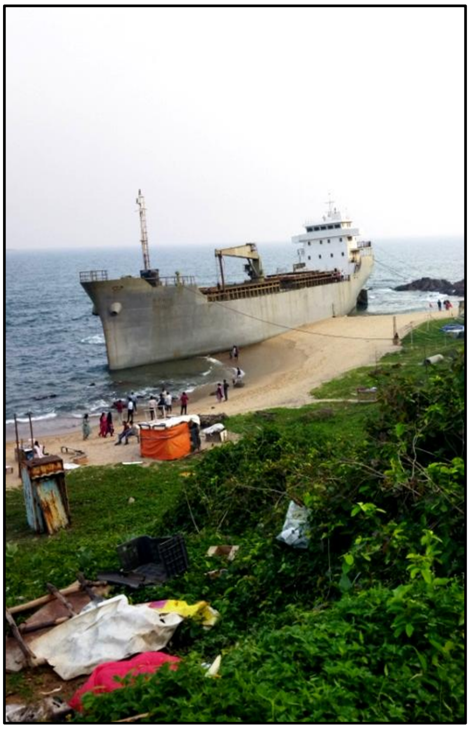

एम. वी. माँ जहाज

अन्य गतिविधियाँ : यहाँ घुड़सवारी तथा विभिन्न प्रकार के झूलों का आनंद लिया जा सकता है।

4. पेन्डुरंगा स्वामी मंदिर –

यह मन्दिर भगवान कृष्ण के एक रूप, भगवान पाण्डुरंग स्वामी (विट्ठल) और उनकी पत्नी रूक्मिणी को समर्पित है। यह न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि विशाखापट्टनम के सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक भी है। यह मंदिर RK Beach के किनारे पर शहर के थोड़े अंदर स्थित है।इसकी मुख्य विशेषताएं निम्न है:

पेन्डुरंगा स्वामी मंदिर : विशाखापत्तनम्

मन्दिर की प्रमुख विशेषताएं :

वास्तुकला - इस मन्दिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे महाराष्ट्र के प्रसिद्ध पंढरपुर मन्दिर की शैली में बनाया गया है। मन्दिर का मुख्य शिखर (गोपुरम) और इसकी नक्काशी दक्षिण भारतीय और उत्तर भारतीय मन्दिर शैलियों का एक सुन्दर मिश्रण पेश करती है।

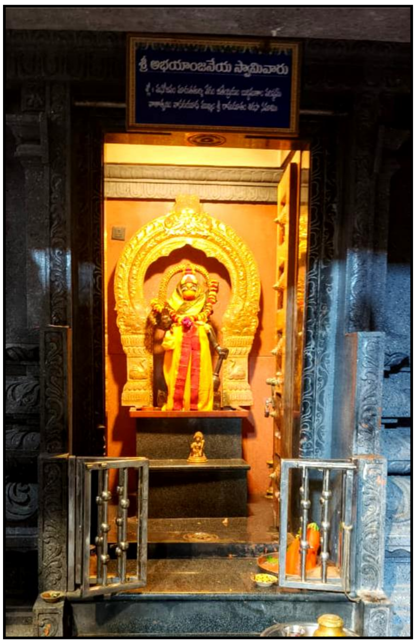

भगवान पेन्डुरंगा स्वामी | **अभयांजनेय स्वामी (हनुमान जी)** | **श्री सीतारमैया**

आध्यात्मिक वातावरण: मन्दिर के अन्दर जाते ही शान्ति और दिव्यता का अनुभव होता है। मन्दिर परिसर काफी साफ–सुथरा और व्यवस्थित है।

मत्सय अवतार | **नरसिंह अवतार** | **श्री कृष्ण** | **वामन अवतार**

समुद्र के किनारे स्थितिः यह मन्दिर बंगाल की खाड़ी (आर.के. बीच) पर स्थित होने से समुद्र की ठंडी हवाएं और लहरों की आवाज मन्दिर के वातावरण को और भी भक्तिमय बना देती हैं।

शिवलिंग

वराह अवतार

विजयदुर्गा अम्मावारू माता

श्री राम की मूर्ति

◆◆◆

इस प्रकार हमारे द्वितीय दिवस का भ्रमण समाप्त हुआ। सभी स्थानों का अनुभव बहुत मजेदार और आनंद से भरपूर रहा। सभी विद्यार्थी तथा शिक्षकगण भ्रमण पश्चात् विश्राम गृह मे आए तथा थोड़ा आराम करके रात के खाने के लिए बाहर एक रेस्टोरेंट में गए। वापसी के दौरान सभी घूमते हुए तथा आपस में बात–चीत करते हुए आर. के. बीच में टहलने तथा थोड़ी मस्ती करने गए।

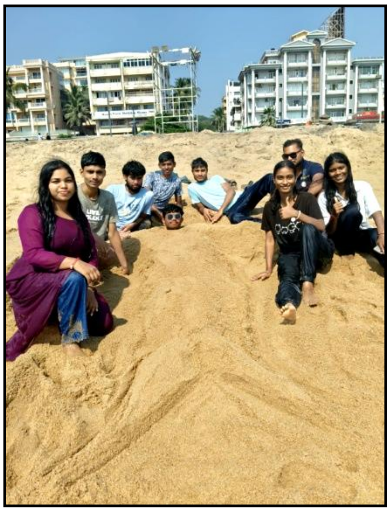

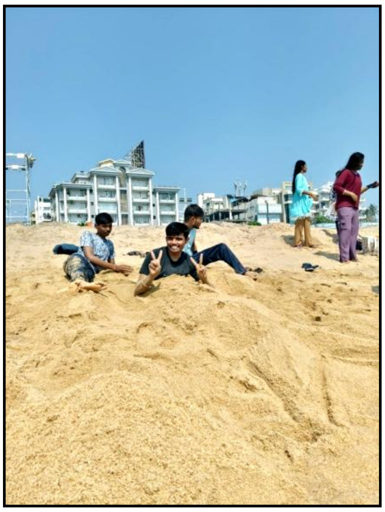

इस प्रकार द्वितीय दिवस हमारे लिए बड़ा मनोरंजनपूर्ण रहा।

तृतीय दिवस –

हमारे तृतीय दिवस के भ्रमण के प्रमुख स्थान इंदिरागांधी जूलॉजिकल पार्क तथा सिम्हांचलम मंदिर था।

सिम्हांचलम मंदिर

इंदिरागांधी जूलॉजिकल पार्क

❖ वापसी –

मंदिर के दर्शन के पश्चात् हम ऑटो द्वारा लगभग 8:30 बजे रेलवे स्टेशन पहुंचे। वहां हमने रात्रि का भोजन कर, थोड़ी देर विश्राम किया।

हमारी ट्रेन रात 9:10 बजे निर्धारित थी। हम विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन से ट्रेन द्वारा रायपुर के लिये रवाना हुए। रात्रि यात्रा के दौरान तथा सुबह के समय हमने सहपाठियों के साथ आपसी बातचीत, हँसी–मजाक और गीतों के माध्यम से समय आनंदपूर्वक बिताया, जिससे यात्रा और भी यादगार बन गई। अगली सुबह 7:30 बजे हम रायपुर पहुंचे, वहां हमने सुबह की चाय का आनंद लिया और फिर बस द्वारा 9:30 बजे महाविद्यालय परिसर में सकुशल पहुंचे। इस प्रकार हमारी संपूर्ण शैक्षणिक यात्रा सुखद अनुभवों के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

Thank you!